# संस्कृत सप्ताह -2025

(त्रिदिवसीय कार्यक्रम )

संस्कृत विभाग एवं छात्रमंच 'उत्कर्ष' के संयुक्त तत्त्वावधान में संस्कृत सप्ताह-25 का आयोजन त्रिदिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 6-8 अगस्त को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ ,इस अवसर पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षा के विद्यार्थियों के द्वारा स्तोत्रगान, छंदपाठ, निबंधलेखन एवं संस्कृत भाषा की मानव जीवन में भूमिका विषय पर संभाषण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस स्तोत्रगान की प्रस्तुति हुई ,जिसमें मुख्यरूप से शिवतांडव स्तोत्र ,महिषासुरमर्दिनी स्तोत्र ,श्री राम स्तुति को छात्रों ने मनमोहक स्वर में प्रस्तुत किया । "संस्कृत विषय की प्रासंगिकता" विषय पर निबन्ध लेखन का आयोजन द्वितीय दिवस को हुआ एवं तृतीय दिवस विद्यार्थियों ने संस्कृत भाषा की महत्ता बताते हुए मानव जीवन में उसकी भूमिका पर विचार व्यक्त किया ,इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० मिश्री लाल ने कहा कि संस्कृत सिर्फ एक भाषा नहीं है अपितु यह चित्त शोधन का उत्कृष्ट माध्यम है जो हमारे अंतर्मन को निर्मल करती है । उन्होंने कहा कि हम जैसा साहित्य पढ़ते हैं वैसा ही हमारा चिन्तन हो जाता है और वह हमारे आचरण में दिखलाई पड़ने लगता है इसलिए संस्कृत साहित्य हमारी आन्तरिक जड़ता को समाप्त कर हमें मूल्यवान मनुष्य बनाता है । कार्यक्रम में विभागीय प्राध्यापक प्रो० पूनम सिंह ,डॉ० दीपक कुमार शर्मा ,डॉ० त्रिपुर सुन्दरी ,डॉ० रंगनाथ ,डॉ० अमित कुमार मिश्र ,डॉ० शिव प्रसाद पाण्डेय आदि ने अपने विचार रखे । कार्यक्रम का संचालन स्नातकोत्तर उत्तरार्ध कि त्रिकांत सिंह ने,मंगलाचरण धृतिमान एवं धन्यवाद ज्ञापन वृषभानु तिवारी ने किया। संस्कृत सप्ताह -25 के त्रिदिवसीय प्रतियोगिता में उज्ज्वल तिवारी, आयुषी चतुर्वेदी, अपर्णा त्रिपाठी ,शानू ,अदिति प्रभा ,शिवम ,सुमति भाई पटेल ,आयुष ,शिवेन्द्र कुमार आदि छात्रों ने अत्यंत उत्साहपूर्वक प्रस्तुति दी ।